

UP Board Class 6 Science Notes Chapter 16 जल

○ जल जीवन के लिए आवश्यक है ।

○ जल की आवश्यकताएँ :- पीने , नहाने , खाना पकाना , कपड़े धोना आदि ।

○ जल कहाँ से प्राप्त करते हैं :- नदियों , झरनों , तालाबों , कुओं अथवा हैडपंप से जल प्राप्त करते हैं।

○ जल विलुप्त :- जल, जलवाष्प में परिवर्तित होता रहता है। नदी , तालाब , झील , महासागर के सभी जल , निरंतर वाष्प में परिवर्तित होता रहता है।

○ सोडियम क्लोराइड :- (नमक) महासागरों का खारा जल जो गहरे गड्डों में छूट जाता है, वाष्पन के परिणामस्वरूप नमक के ढेर के रूप में एकत्र हो जाता है।

○ वाष्पीकरण :- वायु में जल , वाष्पन (गर्म) तथा संघनन (ठंडा) परिवर्तित करने के प्रक्रम को वाष्पीकरण कहते हैं।

○ गिलास की बाहरी सतह पर जल की बूँदें :- बर्फयुक्त जल से भरे गिलास की बाहरी सतह , बाहर की हवा को ठंडा कर देती है और जलवाष्प गिलास की सतह पर संघनित हो जाती है।

○ जैसे-जैसे हम पृथ्वी के पृष्ठ से ऊपर जाते हैं , ताप कम हो जाता है।

○ जैसे-जैसे वायु ऊपर उठती जाती है , ठंडी होती जाती है।

○ जलकणिका :- पर्याप्त ऊँचाई पर वायु इतनी ठंडी हो जाती कि इसमें उपस्थित जलवाष्प संघनित होकर छोटी-छोटी जल की बूँदों , जिन्हें जलकणिका कहते हैं ।

○ बादल :- बादल ये छोटी जलकणिकाएँ , जो वायु में तैरती रहती हैं , जो हमें बादलों के रूप में दिखाई देती है।

○ वर्षा :- बहुत -सी जलकणिकाएँ आपस एक बड़े आमाप की जल की बूँदें बनाती है। ये जल की बूँदें भारी होने पर वर्षा के रूप धरती पर गिरता है।

○ संघनन :- जलवाष्प को जल में परिवर्तन करने के प्रक्रम को संघनन कहते हैं।

○ भूमि-जल :- पृथ्वी का शूद्ध जल भूमि-जल के रूप में उपलब्ध है।

○ जलचक्र :- महासागरों तथा जलीय भागों के बीच जल के चक्रण को जलचक्र कहते हैं।

○ बाढ़ :- अत्यधिक वर्षा बाढ़ का कारण बन सकता है।

○ सूखा :- वर्षा न होना अथवा भूमि-जल की कमी से सूखा पड़ सकता है।

○ जल संरक्षण :- जल का विवेकपूर्ण उपयोग किया जाए और सावधानी बरतें , जिससे जल व्यर्थ न हो ।

○ वर्षा के जल का संग्रहण

- वर्षा के पानी का बाद में उत्पादक कामों में इस्तेमाल के लिए इकट्ठा करने को वर्षा जल संग्रहण कहा जाता है।
- आपकी छत पर गिर रहे बारिश के पानी को सामान्य तरीके से इकट्ठा कर उसे शुद्ध बनाने का काम वर्षा जल का संग्रहण कहलाता है।

evidyarthi